# P.G Department of Sanskrit, University of Jammu.

## Detailed Ph.D Entrance syllabus (2025-26)

**Part A (Objective Type Paper:- 75 Marks)- (50×1½=75)**
**Part B (Descriptive Paper:- 25 Marks)- (2×12½ =25)**

## Part-A

1. मुद्राराक्षसम् प्रथम से सप्तम अंक तक, दशरूपक प्रथम एवं द्वितीय प्रकाश।
2. संज्ञाप्रकरण एवं संधि प्रकरण (अच्, हल् एवं विसर्ग संधि), कारक प्रकरण सम्पूर्ण (लघुसिद्धान्तकौमुदि से)।
3. काव्यप्रकाश प्रथम एवं द्वितीय उल्लास, साहित्यदर्पण तृतीय, चतुर्थ, अष्टम, नवम परिच्छेद सम्पूर्ण एवं दशम परिच्छेद से प्रमुख अलंकार (अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक उत्प्रेक्षा अतिशयोक्ति, भ्रांतिमान, दीपक, दृष्टान्त, अप्रस्तुतप्रशंसा, काव्यलिंग, अर्थान्तरन्यास, विभावना, विशेषोक्ति एवं संकर)।
4. तर्कसंग्रह, सांख्यकारिया एवं वेदांतसार सम्पूर्ण।
5. ऋग्वैदिक सूक्त :- अग्नि सूक्त १.१ , वरुण सूक्त 1. २५, सूर्य सूक्त १. ११५, वाक् सूक्त १०.१२५, पर्जन्य सूक्त ५.८३, इन्द्र सूक्त २.१२, हिरण्यगर्भ सूक्त १०.१२, पुरुष सूक्त १०.९०, शुक्लयजुर्वेद २२वे अध्याय का २२वा मंत्र, उपनिषद् / ईशावास्योपनिषद्।
6. निरुक्त द्वितीय अध्याय सम्पूर्ण।
7. वैदिक व्याकरण:- शब्दरूप, धातुरूप, सन्धि, समास, प्रत्यय तथा स्वरों का सामान्य परिचय, वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय:- संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, वेदांग, श्रौतसूत्र, गृह्यसूत्र तथा उपनिषद्।
8. रघुवंशम् प्रथम एवं द्वितीय सर्ग, शिशुपालवधम् प्रथम एवं द्वितीय सर्ग, विक्रमांकदेवचरितम् प्रथम एवं द्वितीय सर्ग, कादम्बरी / शुकनासोपदेश,शिवराजविजय प्रथम निश्वास।
9. भाषा विज्ञानं एवं ध्वनि विज्ञान:- परिचय, विश्व भाषाओँ का वर्गीकरण, भारतीय भाषा परिवार और भाषा लक्षण, उच्चारण प्रक्रिया:- स्थान एवं प्रयत्न, ऐतिहासिक भाषा विज्ञान:- मूलभारोपीय एवं संस्कृत की तुलना, अवेस्ता तथा संस्कृत की तुलना, वैदिक एवं लौकिक संस्कृत में साम्य – वैषम्य, संस्कृत, पालि एवं प्राकृत भाषाओँ में साम्य – वैषम्य, संरचनात्मक भाषा विज्ञानं :- पद का स्वरुप, रूपिम की परिभाषा, प्रत्यय के प्रकार , रूप ध्वनिग्राम विज्ञान एवं संस्कृत संधि, कृत एवं तद्धित प्रत्ययों का शब्द रचना में योगदान, वाक्य विज्ञानं:- परिभाषा एवं मूल तत्त्व, वाक्य के अंग,

प्रकार, वाक्य संरचना के प्रकार, अर्थ विज्ञानं: लक्षण एवं महत्व, शब्द एवं अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ ज्ञान के साधन, अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं।

10. निरुक्त सप्तम अध्याय, प्रमुख वैदिक छंदों का परिचय, ऋक्प्रातिशाख्य:- पटल १ , शतपथ ब्राह्मण:- प्रथम अध्याय प्रथम प्रपाठक, गोपथ ब्राह्मण द्वितीय प्रपाठक १ से ९ कण्डिका, पाणिनि शिक्षा।
11. मनुस्मृति प्रथम अध्याय सम्पूर्ण एवं द्वितीय अध्याय (१ से १५० श्लोक तक), याज्ञवल्क्य स्मृति:- व्यवहार अध्याय सम्पूर्ण, अर्थशास्त्र तृतीया अधिकरण अध्याय एक से सात, चतुर्थ अधिकरण अध्याय १ से ९।
12. समास विधायक प्रमुख सूत्र एवं समासान्त प्रत्ययों का अध्ययन (सिद्धान्तकौमुदी के आधार पर)।
13. सामान्य परिचय:- भार्तिहरि , नैषदीयचरितम्, अम्बिकादत्त व्यास, रघुवंश महाकाव्य, पंचतंत्र, हितोपदेश, कल्हण एवं रामायण।
14. भावकुतूहलम् के पंचम, अष्टम एवं पचदश अध्याय, जातकालंकार (१ से ४ अध्याय), सारावली (प्रथम एवं इक्कीसवाँ अध्याय), समरांगणसूत्रधार (अष्टम अध्याय:- १ से ७७ श्लोक, दशम अध्याय:- १ से ६९ श्लोक)।
15. Development of ancient Indian Scripts, Origen and Development of Brahmi Script, Knowledge of Brahmi alphabets in terms of consonants and vowels, Origen and Development of Sharda Scripts, Knowledge of Sgarda alphabets in terms of consonants and vowels, Transcription of Rock Edicts of Ashoka Gimir Version (1-6) and pillar Edicts of Ashoka (1-4) (Brajhmi to Devnagri and Devnagri to Brahmi, Transcription of six Sharda inscriptions from Jammu and Kashmir, Dauchan stone inscription of the region of Anantdeva Laukik year 12, 1036 A.D, Zaji-Nai Stone inscription, stone slabs inscription of the region of Jaya Simha, stone lintal inscription of the region of Paramandadeva, Avantipor storage vesses inscription and Draa Pillar inscription (Sharda to Devnagri and Devnagri to Sharda), Introduction of Pali and Prakrit Languages, Translation and explanation of the Rock Edicts of Ashoka Girnar Version (1-6), Translation and explanation of the Pillar Edicts of Ashoka Girnar Version (1-4).

## Part- B

1) Vedic Literature – वेद, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, एवं षड् वेदाङ्गों से सम्बन्धित प्रश्न ।
2) Laukik Sanskrit Literature – रामायण, महाभारत, पुराण, गद्य, पद्य, रूपक एवं काव्यशास्त्र (काव्यप्रकाश ,दशरूपक एवं साहित्यदर्पण) से सम्बन्धित प्रश्न ।
3) Linguists –भाषा, वाक्य विज्ञान, रूपिम विज्ञान एवं अर्थ विज्ञान से सम्बन्धित प्रश्न ।
4) Indian Philosophy – भारतीय दर्शन में शोध प्रक्रिया के अनुरूप प्रश्न ।
5) Indian Epigraphy – भारतीय अभिलेख से सम्बंधित सामान्य प्रश्न ।

RB 13/8/25

Prof. Ram Bahadur

HOD Sanskrit,

University of Jammu.

HEAD
Department of Sanskrit
University of Jammu